>

Title: Regarding deteriorating health condition of the people of Santhal Pargana in Jharkhand due to extreme poverty.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मेरे लोकसभा क्षेत्र में दुमका जिला है जो संथाल परगना का एरिया है। उसमें एक गांव कनकटा है, उसकी तीन सौ आबादी है, जिसमें से 20 लोग विकलांग हैं। मैं बराबर इस लोकसभा में यह कहता रहा हूं कि आपने एम्स बनाया है, एम्स जैसे इंस्टीट्यूट बनाए हैं, आप एनआरएचएम के माध्यम से हेल्थ पर पैसा खर्च कर रहे हैं, आप मिलेनियम डेवलपमेंट गोल्स में एमडीएस फोर, फाइव के मेंबर हैं और झारखंड एक ऐसा प्रदेश है, ,खासकर संथाल परगना जहां से मैं आता हूं, यदि कनकटा जैसे गांव में, जहां तीन सौ की आबादी में बीस लोग विकलांग हैं और आसपास के दूसरे गांवों में यदि आप देखेंगे, तो आपको छः-सात से दस-पन्द्रह परसेंट लोग विकलांग दिखायी देंगे। वहां एक एम्स जैसे इंस्टीट्यूशन की आवश्यकता है, क्योंकि प्रत्येक दिन संथाल परगना में दस महिलाएं बच्चों को जन्म देते ही मर जाती हैं और बच्चों का जो डेथ का रेश्यो है, वहां कम से कम 62-63 बच्चे प्रत्येक एक हजार में मर जाते हैं। वहां लगभग अस्सी परसेंट एनीमिक महिलाएं हैं और लगभग पैंसठ परसेंट बच्चे माल न्यूट्रेशन का शिकार हैं।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह है कि आप ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस जैसा कोई इंस्टीट्यूशन खोलें, जिससे झारखंड मरहूम है, इतनी बड़ी आबादी है, आपकी सरकार की किटी में माइंस और मिनरल्स के माध्यम से मोर दैन सिक्स्टी परसेंट कांट्रीब्यूट कर रहा है।

संथाल परगना में हसडिहा उस का एक सेन्टर प्वाइंट है। वहां एक ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट जैसा इंस्टिट्यूशन दीजिए। मैं दुमका जिले के सरैया हाट ब्लॉक के बारे में कह रहा हूं और कनकट्टा जो गादीझोपा पंचायत में है यहां मेडिकल की एक टीम भेजी जाए और देखा जाए कि इस ब्लॉक में जो बच्चे पैदा हो रहे हैं, वे विक्लांग क्यों पैदा हो रहे हैं? उनकी हालत ऐसी क्यों है? उनकी ऐसी हालत पानी, माल-न्यूट्रिशंस, एनिमिया या किसी प्रकृति के कारण है। आप के माध्यम से वहां तुंत एक टीम भेजी जाए तो बड़ी कृपा होगी। जय हिंद, जय भारत।